मेट्रो में गिनती के यात्री कर रहे सफर

मांडवी सिंह

भोपाल, 16 अप्रैल. करीब चार महीने पहले शरू की गई मेट्रो में इस दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है. हालत ये है कि यात्रियों से ज्यादा मेट्रो का स्टाफ सफर करता नजर आ रहा है.

नवभारत की रिपोर्टर जब गुरुवार को 2 बजे सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पहुंची तो प्लेटफॉर्म , एंट्री गेट, और सीढ़ियों पर एक भी यात्री देखने को नहीं मिला पूरा स्टेशन खली पड़ा हुआ था. आधे घंटे इंतजार करने के बाद जब मेट्रो आई तो केवल 4 यात्री और मेट्रो का स्टाफ मेट्रो से उतरते नजर आया . इस महीने मेट्रो के समय में परिवर्तन कर दिया गया, जहां अब मेट्रो सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी . लोगों से बात करने पर पता चला कि उन्हें नए टाइम टेबल की जानकारी है ही नहीं. समय बदलने के कारण जो यात्री सफर करते थे. अब वह समय ज्यादा लगने के कारण अन्य विकल्प जैसे ऑटो बाइक का इस्तेमाल कर रहे है. स्टेशन पर रोजाना 5 से 8 यात्री ही नजर आ रहे हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि आधुनिक सुविधा होने के बावजूद आखिर क्यों लोग इससे दूरी बनाए हुए हैं.

प्रोजेक्ट का विवरण (ट्रैक और लागत)

कुल लागत : 7,500 करोड़ से 8,000 करोड़ (फेज-1)
चालू ट्रैक : 7 .4 किमी (सुभाष नगर से एम्स तक)
कुल प्रस्तावित ट्रैक : लगभग 27 .87 किमी
मुख्य लाइनें : ऑरेंज लाइन और ब्लू लाइन
अगला काम : अप्रैल 2026 से अंडरग्राउंड खुदाई शुरू
नया कॉन्ट्रैक्ट : लगभग 769 करोड़ का काम आवंटित

यात्री - रीना का कहना है मेट्रो का इस्तेमाल लोग यात्रा से ज्यादा घूमने के लिए कर रहे हैं.

यात्री - दीक्षा का कहना है भोपाल को अभी मेट्रो की जरूरत नहीं है. हमे मेट्रो में ज्यादा पैसे देने पड़ते है.

यात्री - अंकुश का कहना है की मेट्रो में बहुत समय लगता है.

सिग्नल के काम के कारण आ रही अड़चन

मेट्रो रेल पीआरओ धीरज शुक्ला का कहना है कि सिग्नल का काम चल रहा है. इसी कारण एक ट्रैक बंद कर दिया गया है और समय ज्यादा हो गया है. हम जल्द सिग्नल का काम पूरा कर दोनों ट्रैक मेट्रो के लिए खोल देंगे और लोग मेट्रो का लाभ उठा पाएंगे.

अपने देश की सबसे अच्छी राजधानी बनाएंगे

- कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने की पत्रकारों से चर्चा

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 16 अप्रैल. भोपाल में मेरी पहली पदस्थापना है, मेरा प्रयास रहेगा कि भोपाल को देश की सबसे अच्छी राजधानी बनाएंगे. यह बात गुरुवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही. उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने शहर की जनता और आप लोगों के सहयोग लिया जाएगा.

हमारे कार्यालय से जो भी होगा वह पूरी तरह से शहर की जनता के लिए किया जाएगा. उन्होंने कहा कि में अभी तक कटनी और धार जिले में कलेक्टर के रूप में पदस्थ रहा हूं. वह छोटे शहर थे वहां के अनुभव अलग रहे हैं. हालांकि हमें मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का सहयोग मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा. हम शासन के अंग हैं हमें शासन की

नीति निर्धारण का हमें पालन करना है. शासन के दायित्वों पर हमें कार्य करना है. अभी हाई स्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षाओं का परिणाम आया है, जिसमें राजधानी के बच्चों ने प्रदेश में टॉप किया है, जो टॉप नहीं आ पाए उन सभी को मेरी बहुत बहुत शुभकानाएं है.

जनगणना से देश की दशा दिशा होती है तय

गुरुवार से राजधानी में स्व जनगणना का कार्य शुरू हो गया है. वहीं एक मई से जनगणना के कर्मचारी घर घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे. उन्होंने कहा कि जनगणना से ही देश की उन्नति और दशा दिशा तय होती है. इसमें जनता को अपनी पूरी सही जानकारी देना चाहिए, क्योंकि यह डाटा सरकार के पास गोपनीय और सुरक्षित रहता है. इसी के आधार पर विकास की योजनाएं बनाई जाती है.

एक बार पूरे सिस्टम को समझ लूं

राजधानी के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि अभी मुझे दो दिन ही हुए हैं. एक बार यहां के सिस्टम को समझ लूं कि कैचमेंट का दायरा कितना है, उसके बाद ही कोई निर्णय ले पाऊंगा.

मातृ मृत्यु के लिए उत्तरदायी अस्पतालों पर तय होगी जवाबदेही : सीएमएचओ

भोपाल, 16 अप्रैल. मातृ मृत्यु प्रकरणों की जांच के लिए गुरुवार को जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में मैटरनल डेथ के चिकित्सकीय कारणों की पड़ताल की गई. बैठक में क्लीनिकल डायग्नोसिस, सोनोग्राफी, पैथोलॉजी जांच, हाईरिस्क फैक्टर के आधार पर मृत्यु के प्रकरणों की गहन जांच की गई. साथ ही इसमें कार्य कर रहे डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से जानकारी ली. बैठक में सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं की सभी जांच, पंजीयन, हाई रिस्क चिन्हांकन, रेफरल, उपचार को पूरी गंभीरता के साथ किया जाए. उपचार एवं रेफरल के सभी दस्तावेज पूरी तरह से भरकर संस्था में इकट्ठे किए जाएं. गर्भवती महिलाओं की देखभाल में लापरवाही या मृत्यु होने पर संबंधित अस्पतालों की जवाबदेही तय की जाएगी. बैठक में क्षेत्रीय संचालक डॉ. नीरा चौधरी, सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. पूनम श्रीवास्तव आदि चिकित्सक शामिल हुए.

महिला आरक्षण पर सोनिया के रुख का अजय ने किया समर्थन

- 'देरी की राजनीति' पर भाजपा को घेरा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 16 अप्रैल. पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर सोनिया गांधी के रुख का जोरदार समर्थन करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि गांधी द्वारा हाल ही में लिखे गए लेख में सामने रखे गए तथ्य सरकार के उस दावे की पोल खोलते हैं, जिसमें इस विधेयक को ऐतिहासिक बताया जा रहा है.

अजय सिंह ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकार के लिए दशकों तक इंतजार कराना क्रूर मजाक है. उन्होंने विधानमंडलों में महिलाओं के लिए आरक्षण को तत्काल लागू करने की गांधी की मांग का पूर्ण समर्थन जताया. कांग्रेस की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि गांधी के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने वर्ष 2010 में

राज्यसभा में इस विधेयक को पारित कराने में सफलता हासिल की थी. उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय भाजपा ने इस पहल में बाधा डाली थी और अब भी जनगणना तथा परिसीमन जैसी जटिल प्रक्रियाओं से जोड़कर इसके क्रियान्वयन को टाल रही है.

क्षेत्रीय असंतुलन को लेकर चिंता जताते हुए सिंह ने कहा कि आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने से दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है. उन्होंने इसे भाजपा की एक राजनीतिक रणनीति बताया, जिसका उद्देश्य उन क्षेत्रों को कमजोर करना है जो उसकी विभाजनकारी राजनीति को नकारते रहे हैं. सिंह ने चेतावनी दी कि इस तरह का कदम उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा दे सकता है और राष्ट्रीय एकता को कमजोर कर सकता है.

कुमारी वर्तिका ने हासिल किए 97 प्रतिशत अंक

भोपाल, 16 अप्रैल. सीबीएसई 10 वीं के परीक्षा परिणाम में भोपाल के सेंट जोसेफ को-एड स्कूल में अध्ययनरत कुमारी वर्तिका गोयल पुत्री भूपेंद्र कुमार गोयल के 10वीं में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं. कुमारी वर्तिका ने बिना कोचिंग एवं ट्यूशन के स्वयं से परीक्षा की तैयारी की थी, उसने अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर तथा विद्यालय के समस्त अध्यापकों व माता - पिता को दिया है.

एम्स के डिलीवरी वार्ड-एनआईसीयू के पास दिखे कॉकरोच

- चूहों के बाद अब कॉकरोच से अस्पताल में मचा हड़कंप
- मरीजों की जान से खिलवाड़

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 अप्रैल. एम्स में एक बार फिर अस्पताल प्रशासन की लापरवाही चरम पर है. गुरुवार की रात अस्पताल के पहले तल पर स्थित डिलीवरी वार्ड के पास वाले हिस्से और कॉरिडोर में भारी संख्या में कॉकरोच रेंगते हुए मिले. बता दें कुछ दिन पहले इसी कॉरिडोर के दूसरी तरफ स्थित एनआईसीयू वार्ड में चूहे दिखे थे.

वहीं अब डिलीवरी वार्ड के बाहर वाले इस संवेदनशील इलाके में एक दो भाई बल्कि ढेरों छोटे बड़े कॉकरोच दिखाई पड़े हैं, जिसके बाद कॉकरोचों के इस जमावड़े ने एम्स की स्वच्छता

एम्स के वार्ड में मौजूद कॉकरोच.

एम्स के वार्ड में सोते हुए परिजन.

व्यवस्था और पेस्ट कंट्रोल के दावों की पोल खोलकर रख दी है. एक तरफ जहां भर्ती मरीजों के परिजन इन कीड़ों के बीच रातें गुजारने को मजबूर हैं. वहीं अस्पताल प्रशासन इस पूरी अव्यवस्था से बेखौफ होकर नींद ले रहा है.

अस्पताल परिसर में गंदगी और संक्रमण का यह नजारा बेहद डरावना है क्योंकि कॉकरोच गंभीर बीमारियों और संक्रमण के सबसे बड़े वाहक माने जाते हैं. प्रसूति वार्ड जैसे संवेदनशील क्षेत्र सहित एनआईसीयू और पीआईसीयू वार्ड भी इसी कॉरिडोर से लगे हुए हैं. वहीं प्रशासन की यह लापरवाही तब सामने आ रही है जब बीते दिनों ही संस्थान के एनआईसीयू वार्ड में चूहे पाए जाने की खबर ने हड़कंप मचा दिया था.

तस्वीरों में साफ दिख रही है प्रशासन के पेस्ट कंट्रोल के दावे

तस्वीरें साफ बयां कर रही हैं कि अस्पताल प्रबंधन पिछली घटनाओं से सबक लेने को तैयार नहीं है. एनआईसीयू में चूहों का मिलना और अब डिलीवरी वार्ड के आसपास इन कीड़ों का साम्राज्य होना जनहित के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकता है, जो पेस्ट कंट्रोल के दावों पर भी सवाल उठाता है.

मनचलों के खिलाफ केस दर्ज

- पीड़िता ने की थाने में शिकायत

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 16 अप्रैल. शाहजहांनाबाद इलाके में एक युवती की शिकायत पर पुलिस ने चार मनचलों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. सभी आरोपी एक ही घर के हैं. मामले की शिकायत के बाद आरोपी फरार चल रहे हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी है.

जानकारी के मुताबिक 23 वर्षीय युवती ने आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई. पीड़िता का आरोप है कि ईदगाह हिल्स में उसकी मौसी का घर है और उसी मोहल्ले में रहने वाला आरोपी परवेज मियां और उसके तीन लड़के शादाब, आसिफ और अरबाज आती जाती महिलाओं को देखकर अश्लील इशारे करते हैं. पीड़िता जब भी अपनी मौसी के घर आती-जाती है, तो आरोपी लगातार हरकतें करते हैं. पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ बदसलूकी भी की. परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की. शाहजहांनाबाद थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है. पुलिस में प्रकरण दर्ज होने की सूचना के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे हैं, जिनकी तलाश में पुलिस कर रही है.

पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों को महंगाई राहत में वृद्धि

भोपाल 16 अप्रैल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 01 जून 2005 के पश्चात् सेवानिवृत्त सभी पेंशनरों/परिवार पेंशनरों एवं 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनरों को मध्यप्रदेश शासन के परिपत्र क्रमांक एफ 9-2/ 2026 / नियम / चार दिनांक 02 अप्रैल, 2026 एवं एमपी पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के परिपत्र क्र. अस/एमपीपीटीसीएल/पांच/35 6 दिनांक 06 अप्रैल, 2026 के अनुरूप दिनांक 01 जनवरी 2026 से छठवें वेतनमान अंतर्गत 257 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान अंतर्गत 58 प्रतिशत मंहगाई राहत देने के आदेश जारी कर दिए हैं.

वेयरहाउस पर किसानों से साथ तुलाई में ठगी

- एक क्विंटल पर एक किलो गेहूं अधिक लेने की मिली थी शिकायत

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 16 अप्रैल. जिले में गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर तुलाई का कार्य जारी है. इसके लिए शासन ने समितियों स्व सहायता समूहों के माध्यम से भी कार्य लिया जा रहा है. इसी कार्य के दौरान तुलाई केंद्रों पर तुलाई के दौरान अधिक गेहूं लिए जाने की शिकायत मिली थी.

इस शिकायत की पुष्टि लिए जिला आपूर्ति विभाग के दल ने गुरुवार को मुगालिया कोट स्थिति

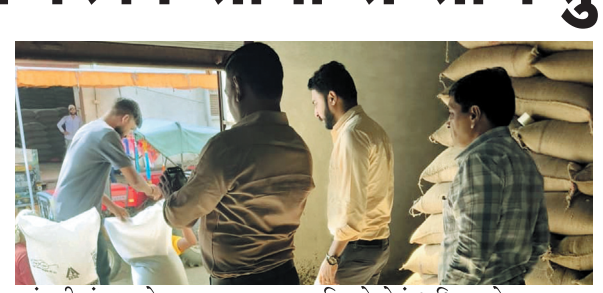

मां पीतांबरा वेयर हाउस पर कार्रवाई के लिए पहुंचा. वहां पर सेवा सहकारी समिति तूमड़ा के द्वारा तुलाई करवाई जा रही थी. जांच दल ने वहां पर मुगालिया कोट निवासी रमेश प्रजापति से इस शिकायत की पुष्टि करने जानकारी प्राप्त की. तो उन्होंने बताया कि यह पर कुछ दिनों से एक क्विंटल गेहूं तुलाई पर एक किलो गेहूं अधिक तोला जा रहा है. शिकायत की पुष्टि होने के बाद और रमेश प्रजापति के ब्यान दर्ज कर लिए हैं.

जिला आपूर्ति अधिकारी चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि सेवा सहकारी समिति तूमड़ा केन्द्र के प्रभारी और समिति के सदस्य नरेश और मां पीतांबरा वेयर हाउसिंग नोटिस दिया जाएगा.

जिंले में तुलाई के आंकड़े

1. कुल गेहूं पंजीयन- 37,407
2. कुल खरीदी केंद्र- 92
3. कुल स्लॉट 14425
4. गेहूं विक्रय किसानों की संख्या-4315
5. उपार्जित गेहूं की मात्रा (मे.टन)- 2041
   परिवहन मात्रा - 1461 टन
6. खरीदी गई मात्रा के विरुद्ध किसानों को देय राशि -53 .59 करोड़
7. किसानों को भुगतान की गई राशि -1.63 करोड़

तलवार रखने वाला आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 16 अप्रैल. जहांगीराबाद थाना पुलिस ने धारदार अवैध तलवार रखने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास मौके पर मिले हथियार को भी जब्त कर लिया गया.

जानकारी के मुताबिक पुलिस का सूचना मिली थी कि डीमार्ट चौकी के पास एक आरोपी को तलवार के साथ देखा गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ा. पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रिशी उर्फ लिट्टन बताया. आरोपी की तलाश लेने पर उसके पास अवैध तलवार बरामद हुई. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया.

विशेष बैठक ▶ महिला पार्षदों के साथ ही पुरुष पार्षदों ने भी रखी अपनी बात

'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का प्रस्ताव सभी के समर्थन से पारित

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 16 अप्रैल. नगर निगम परिषद की गुरुवार को विशेष बैठक बुलाई गई. यह बैठक आईएसबीटी स्थित निगम निगम परिषद के सभागृह में हुई, जहां पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा की.

बैठक में बीजेपी के 52 पार्षद शामिल रहे, जबकि कांग्रेस के10 पार्षद ही पहुंचे. परिषद की बैठक वंदे मातरम के गायन के साथ शुरू हुई, जिसमें नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी शामिल नहीं हो सकी. वह वंदे मातरम के समापन के बाद सभागृह में पहुंची. नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बैठक की अध्यक्षता की. एमआईसी मेंबर सुषमा बाविसा ने प्रस्ताव

रखा. महापौर ने अपने कहा कि हमारे देश में नारियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री ने हमेशा ही कार्य किया है. वहीं भोपाल नगर निगम ही पहली परिषद है, जहां पर महिलाओं के आरक्षण का समर्थन किया गया था. एमआईसी रविन्द्र यति ने कहा कि हमारे देश में आज प्रमुख पदों पर महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं. फिर चाहे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन हो या फिर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु या दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हमारी महापौर मालती राय. हम इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं. इसी तरह सभी ने अपनी अपनी बात रखते हुए इस नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करते हुए प्रस्ताव पास की बात कही.

नारी शक्ति वंदन पर पार्षदों ने भी रखी बात

नगर निगम परिषद की बैठक में ममता विश्वकर्मा, कुसुम चतुर्वेदी, राजमनी उईके, आरती अनेजा, गौरी पाठक, सुषमा बाविसा, शीला पाटीदार, अर्चना परमार, छाया ठाकुर, उर्मिला मौर्य, प्रियंका मिश्रा समेत कई बीजेपी पार्षदों ने अधिनियम को लेकर अपनी बात रखी. वहीं, विपक्ष की तरफ से नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, शिरीन खान, नसीम गफूर आदि ने समर्थन किया. एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, राजेश हिंगोरानी, मनोज राठौर, आरके सिंह बघेल, आनंद अग्रवाल, जितेंद्र शुक्ला, अशोक वाणी, जगदीश यादव, पार्षद देवेंद्र भार्गव, विलास राव घाड़गे समेत कांग्रेस पार्षद मो. सरवर, योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान आदि ने भी अपनी बात रखी. बता दें कि प्रदेश में नारी शक्ति वंदन पखवाड़े का आयोजन हो रहा है. 10 से 25 अप्रैल तक कई कार्यक्रम होंगे. नगरीय प्रशासन विभाग ने हर नगरीय निकाय में विशेष सम्मेलन करने के आदेश दिए हैं.

आदिवासी परिवारों के लिए न्याय की मांग

विशेष संवाददाता

भोपाल, 16 अप्रैल. मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के महिला प्रभाग की अध्यक्ष चंद्रा सर्वटे के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के न्याय एवं अधिकारों की मांग की.

ज्ञापन में बताया गया कि पन्ना और छतरपुर जिलों के बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार इस प्रस्तावित परियोजना से प्रभावित होने वाले हैं. आरोप लगाया गया कि अब तक प्रभावित परिवारों को न तो पर्याप्त मुआवजा मिला है और न ही पुनर्वास या वैकल्पिक आजीविका की कोई ठोस व्यवस्था की गई है, जिससे वे गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट में हैं. आदिवासी महिला कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की कि प्रभावितों को शीघ्र एवं उचित मुआवजा दिया जाए तथा समुचित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए. साथ ही ग्राम सभाओं की सहमति के बिना किसी भी प्रकार का विस्थापन न किया जाए. प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को रोजगार एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने की भी मांग की गई.